दादी मंगल करसी मंगल

(तर्ज़ - स्वर्ग से सुन्दर सपनो से प्यारा)

दादी मंगल, करसी मंगल आओ करा मंगल ।
दादीजी नै भोत हीं प्यारो, काम बणसी जी म्हारो ।।

मंगल की गाथा माही, दादीजी विराजे ।
सागे सागे गावे म्हारे, सागे सागे नाचे ।
मंगल घड़ियाँ है मंगल की, आओ करा मंगल ।।
दादीजी नै भोत हीं प्यारो ।।१।।

सोलह श्रृंगार कर, बहु बेटी आई ।
दादी नें भी देखो, बनड़ी बणाई ।
हाथा मेहंदी, माथे चुनड़ी, ओढ़ करा मंगल ।।
दादीजी नै भोत हीं प्यारो ।।२।।

मावस की मावस नीतु मंगल गावे ।
बेटापोता धन और दौलत, दादी सूं पावे ।
घणी सकलाई है मंगल की, आओ करा मंगल ।।
दादीजी नै भोत हीं प्यारो ।।३।।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33843/title/dadi-mangal-karsi-mangal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |